

- रस की निष्पत्ति का कारण माना जाता है 5. दे. सोग।
- शोककारक** वि. (तत्.) शोक देने वाला, शोकदायी, शोकदायक।
- शोकगीत** वि. (तत्.) किसी आत्मीय व्यक्ति की मृत्यु पर या मृत्यु के विषय में लिखा गया गीत जैसे- सरोज-स्मृति, महाकवि निराला द्वारा अपनी पुत्री सरोज की मृत्यु पर लिखी गई लम्बी गेय-कविता। elegy
- शोकगीति** स्त्री. (तत्.) 1. शोकगीतों का संग्रह 2. शोक भरे गीत, गीतिकाव्य का एक प्रकार।
- शोकघ्न** वि. (तत्.) 1. शोक को नष्ट करने वाला पुं. अशोक वृक्ष।
- शोकपरायण** वि. (तत्.) शोक से भरा हुआ, शोकग्रस्त।
- शोक-विकल** वि. (तत्.) शोक से पीड़ित, शोकाकुल।
- शोक-संताप** पुं. (तत्.) 1. शोक के कारण होने वाली पीड़ा 2. शोक और पीड़ा।
- शोक समाचार** पुं. (तत्.) 1. शोक की सूचना देने वाला समाचार, किसी की मृत्यु या अनिष्ट की खबर 2. समाचार पत्रों या पत्रिकाओं में छपने वाला वह समाचार जिसमें किसी की मृत्यु की सूचना दी जाए, अन्तिम संस्कार की या उठावनी आदि की सूचना प्रकाशित की जाए 3. किसी की मृत्यु की सूचना जन-समूह को एकत्रित करके मौखिक रूप से देना।
- शोक सूचक** वि. (तत्.) शोक को प्रकट करने वाला, शोक-प्रकाशक जैसे- राष्ट्राध्यक्ष की मृत्यु पर राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुका देना या नीचे कर देना शोक-सूचक माना जाता है।
- शोकहर** वि. (तत्.) शोक दूर करने वाला, शोकहर्ता पुं. एक प्रकार का सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 8, 8, 8, 6 के विराम से अंत में गुरु सहित कुल 30 मात्राएँ होती हैं, इसे शुभांगी भी कहते हैं।
- शोकहर्ता** वि. (तत्.) दे. शोकहर।
- शोकहारी** वि. (तत्.) शोक दूर करने वाला, शोकहर्ता।
- शोकाकुल** वि. (तत्.) शोक से विकल या व्याकुल, शोक-पीड़ित, शोक-विह्वल।
- शोकाग्नि** स्त्री. (तत्.) शोक की आग, शोकानल, शोक की पीड़ा।
- शोकातुर** वि. (तत्.) शोक से छटपटाने वाला, शोक से विकल या आकुल।
- शोकानल** पुं. (तत्.) दे. शोकाग्नि।
- शोकापनोद** वि. (तत्.) शोक को दूर करना।
- शोकाभिभूत** वि. (तत्.) शोक से व्याकुल, शोकार्त, शोकग्रस्त, शोकमग्न।
- शोकारि** वि. (तत्.) कदम का पेड़, कदंब का वृक्ष।
- शोकार्त** वि. (तत्.) शोक से विकल, शोक से व्याकुल या दुःखी, शोकाकुल, शोक के कारण करुण अवस्था को प्राप्त।
- शोकाविष्ट** वि. (तत्.) शोक से पीड़ित, शोकग्रस्त, शोकाकुल।
- शोकी** वि. (तत्.) जिसे शोक हुआ हो, शोकग्रस्त, जो शोक कर रहा हो स्त्री. 1. शोकिनी 2. रात।
- शोख** वि. (फा.) 1. चपल, चंचल, चुलबुला, नटखट 2. धृष्ट, ढीठ, निडर 3. चटकीला रंग तेज-गहरा रंग।
- शोखी** स्त्री. (फा.) 1. चंचलता 2. धृष्टता 3. रंग का चटकीलापन 4. शोख होने की अवस्था, गुण या भाव 5. उर्दू-फारसी कविताओं/कहानियों में प्रेमालम्बन अथवा आश्रय का एक विशेष गुण।
- शोच** पुं. (तत्.) 1. दुःख, रंज। 2. चिंता, फिक्र।
- शोचन** पुं. (तत्.) 1. शोच करना, रंज करना, दुःखी होना, गमगीन होना 2. चिंता करना, फिक्र करना 3. शोकग्रस्त होना।
- शोचनीय** वि. (तत्.) 1. जिसके सम्बन्ध में शोच करना पड़ता हो 2. जो चिंता का विषय हो, जो फिक्र का विषय हो, चिंत्य 3. जिसे देखकर दुःख लगे, आहत करने वाला विषय या मुद्दा 4. जो दया के योग्य हो।